1

श्रीगणेशायनमः भक्तिमुक्तावलीलिख्यते चौपाई भक्तिवच
रुसंतनसुषदाई जनकेदुषनिवारणभाई जनकेदुषभीष्म
पद्मपाये वंधाहोसो जाद्रछोडाये वंदीवचिन्हकरव
नो सोतो तीनि लोकमहजाना हरिकेप्रानवसीहिजन
नाही गहुरचिसारछोडजनजाही जहजहपरे भक्तकेह
गाढो मानकुरामकालिकरठाठा जेसवाल कामालेम
रितेवाधिपर्वीतेभ्रा तातीवचनलागनपाई उपरहेरा
मिलीकरपुराई नवलेभ्रकरवंभमहवाधा ...

तीनिलो[redacted] २ नामिलेकुजडुसारमपाली

भगत तववलिफिरयुमाफ्तक अनुरागा राजाकहैअलपवुधिपडे मृ

२ गहुआपनिसकतिकेमाई ऐतुकतोहिआजुरजधानी मैदें:

करहुकरमकरहीना जाकहकिपारामनहिकीना वाकी।

ता नतवलागअकासा चर्कि भयोवलिटचितमासाकेतीनिलो

९ कतीनिउपगकीन्हा वलिकहुछलाइं कहुवीन्हा आलेप

गकहपीठिलपाई रीझेप्रभुतगोविंदराई तवप्रभुकहामागुव

लिराजा सववविधिपुरवहुतुम्हरेकाजा तवबलिकहाआनु

हि ग्रहकीजे ससरामभभौरसनदीजे औसेरामवचनकेगए

तीनिलोकंकोपतिभयोराघवकसनकीचौथि कहाकियोप्रभुचल

फलायेकाधा नरसिंघरूपतवधरामुरारी मारात्र्यसुरीमिट
दुखभारी दोहा वंभमाहसोनिकसिवैकरनाकुसकोमारी
दुष्यपरतिनवभगतकोछनमहछेतउपारी चौपईपिता
सारूमितपसाकीन्ही पर्वीत्रचलसोधुकहरीन्ही वा
नकैगवतिके वारहीनवचनप्रभतादपुकारे मागुमा
गुरानावलिबोला मनताकीन्हगुरवचननबोला साछेती
नेपेगभुद्दमाप्तिमिडईछाय़ोवैरागी यालनतीमिवनमह
हेरुहैतभगतकेदरसनचहरुतवरामैवीचारनलागा

नाम

नम तब हरि राम जो कीन्ह उपाई चक्र सुदरसन दीन्ह पठाई च
3 क्र सुदरसन जारन लागा तब रिषि औन्हि उठि लै भागा
तिनि लोक फिरि आयहु भाई काहु न राखा रिषि सरनाई
गये तब रिषि कृस्न के पासा राखु सरनि बोले दुरवासा
उलटि उतर हरि तिन कहि दीन्हा भगत द्रोह तुम्ह का
3 है कीन्हा पलटि क्रु रिषि नृप के द्वारे तब रिषि
न मह वकृत लजाई गरत गये राजा ठांई चक्र सु

दै

अत्रमहबलिके द्वारे ॥६॥ अंबरीक द्वादसव्रतपालै नितउठि
कथारामकीचालै ताकौव्रतबिधारन आये आरसैरा
जावैठाये तवरिषिकहअस्नानकरिआवौ तवतुम्हरेमो है
जनपावौ तरपनकरतिअवारलगाई समैकिवेरनफु
चैआई तवराजैपेकुमंत्रतोकीन्हा ठाकुरकोचरनोदक
लीन्हा ताहा दुरवासनहिआइपायनु तैकरिअवार
करिआआछतवसुनतभेजलकरकीन्हअहर चौपाई३
राजहियेकुकालिमालाई सततासरुषकसौहैराई

हैरघुराज केवलकृपतानकेसासा उनहकी
कै प्रभुपुरइम्रासा रहेतावर्इऔसंचरजोगी चेता
होरवैउंविरागी पिचनम्रनेकइनकुकेटारे छ
लिछलिअसुरव्कुतहरिमारे नारदव्यास औार
नी समेह्या उनहु कीप्रभु की सेया इनहिला
4 गिचकृतैहितकीन्हा दृष्टनकेहवकुसमेपहीना सा
लिगमरैरासचोलाये विलभनकीन्हीहारे
आयेरंकाचंकासचनकमारे तिनहूँचेजुनलीवनीरे की

रामदास औ ये भुनसामी वो कुहरि कै अंतर जामी
मेनिर फैमरहन कीन्हा राजैरी कि वनाकछु दीन्हा
पीपानू कीरहै । अपारा भगति किन्हि धार
कीधारा दोहा भुलनरेव हितकमधुनो भगति
किन्हमहि आइ जैमलसिरधरदासकै काजकि
पेवकु धाइ चौपाई ६ धनाजर वाधे तुनभावा
वीजहतासो संतनसावा माधवदासजदानेमा
ई जगंनाथसकेलातलोजाई रामकवीरन

घरपैठहरिरसनदीन्हा ॥ आधाअंगमागिहोरे
लीन्हा ॥ आरायेकगोपालमगायो लैराजा
केमाथेलाया ॥ माथेहरिजैमतुराधा ॥ साध
साधुनारयेनमाधा ॥ माथजोरिप्रभुकेठलगा
ये ॥ हेऋसीसराजाकहआपे ॥ सदागोपाल
सांकरेसाथी ॥ ग्राहतेमहरागपुउहाथी ॥ सन
कादिकसवघरघरत्राता ॥ चौथेपनकहकी
नेधाना ॥ रोहा ॥ कीन्हितपस्याजाइउनसिंघ
भयेसयकात्र तिनोहिआगायदुनीरेंसे

न
टरसनसीतलकीन्हा हरषिरिषय़तंबआसिसीन्हा
पांचौपंक्तिभरतउधारे बारनचंकहरिरघबारेतबउर
जोधनकहारिसाईहोपरिनिगनकरउभाईरोह
तवपितुसासनजकैपकोरोचीरवमेउसभाराजकी
कीन्हेहोपरीरानी प्रगटभयेप्रभुअंतरतानी भी
बमप्रेनकुतपछितान रहीलाके युगर्वोघसयान
नारध्यजतमोरघुपतराता। तिनकेकहरकीन्हकाता

परमेस्वर कह भोजि पियारी तो कुलकौ है सो
ई अधिकारी जाति पाति पूछै नहि कोई ह
रि कह भजै सो हरि का होई कोल किरात भिलव
6 नवासी राम नाम लगि होइ उदासी रैदास पितर
कोइ का मन आवै तेहि पूजै पसु पछ हवावै है
उहर ली पति हाथ धरियाने तव लगि कुर माम
रदसे राने नव सिति मानि राम की आसा

॥ समनकैयासचुपायासेइ भगतवछाव
लिरामकीपरैसुनैतौकोइ सबभगतनकी
वःपतेभगतवछलहोइ ८
कवित वातेबहनचोहरामकेतहिहैवातेकहौपे
नरैमविनकै वका भूठीपरीतिसिवासर
आपुकौसबपापअवाइकै जिनकीजरवेयको
भाहिनाप्रतभयेवहया तिनवंसनसहकै विन
नीकानाकेसोविहितौमुयाहेड्परउवहेहरमजाइकै